टेक्सटाइल क्षेत्र की 123 कंपनियों ने दिया 20 हजार लोगों को रोजगार

प्रदेश के सभी क्षेत्रों में पांच वर्ष में 2492 करोड़ रुपये का हुआ निवेश

लखनऊ। प्रदेश में टेक्सटाइल क्षेत्र की कंपनियों ने रोजगार में बड़ा योगदान किया है। पिछले पांच वर्षों में 123 कंपनियों ने 2,492 करोड़ रुपये के निवेश से उत्पादन शुरू किया और लगभग 19,752 लोगों को रोजगार दिया है।

इनवेस्ट यूपी के मुताबिक टेक्सटाइल उद्योग का प्रभाव प्रदेश के सभी क्षेत्रों में है। सबसे आगे पश्चिमांचल है, जहां 58 कंपनियों ने 1,084 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यहां 12,677 लोगों को रोजगार मिला है। जीईएसएल स्पिनर्स ने रामपुर जिले में 227 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे 600 लोगों को रोजगार मिला है।

एम/एस इंटरवीव पॉलीटेक्स ने अमेठी में 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे 500 लोगों को रोजगार मिला है। केडी प्रिंट्स ने ट्रीटमेंट प्लांट्स के लिए वॉलर्स बनाने के लिए मेरठ में 100 करोड़ रुपये का निवेश किया और 100 लोगों को रोजगार दिया। कीमेन इंडस्ट्रीज ने पॉलिएस्टर फिल्म बनाने के लिए कानपुर देहात जिले में 70 करोड़ का निवेश किया और 200 लोगों को रोजगार दिया। इसी तरह सीआर इंडस्ट्रीज हापुड़ में 64 करोड़ रुपये के निवेश से रेडीमेड बेड लिनेन और किचन कवर बना रही है।

महावीर स्पिनफैब ने कानपुर देहात में गारमेंट प्रोसेसिंग के लिए 60 करोड़ रुपये का निवेश किया और 150 लोगों को रोजगार दिया। टेक्सफैब स्पिनिंग मिल्स एलएलपी ने गाजियाबाद में एक स्पिनिंग यूनिट के लिए 50 करोड़ का निवेश किया और 500 लोगों को रोजगार दिया। यूपी टेक्सटाइल व गारमेंटिंग नीति 2022 के तहत प्रमुख लाभों में 25% भूमि लागत सब्सिडी, 75%-100% स्टांप ड्यूटी छूट व मशीनरी लागत का 25% कवर करने वाली पूंजी सब्सिडी शामिल है।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड में अतिरिक्त 10% सब्सिडी शामिल है। बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सब्सिडी 100% तक बिजली शुल्क छूट और बिजली शुल्क सब्सिडी के साथ निवेश को और अधिक प्रोत्साहित करती है।

मध्यांचल में 812.91 करोड़ का हुआ निवेश

मध्यांचल क्षेत्र में 24 कंपनियों ने 812.91 करोड़ रुपये का निवेश किया और 1,912 लोगों को रोजगार दिया है। पूर्वांचल में 39 कंपनियों ने 543 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे 4,563 लोगों को रोजगार मिला है। बुंदेलखंड में भी पांच कंपनियों ने 52 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे 600 लोगों को रोजगार मिला है। टेक्सटाइल उद्योग से रंगाई, छपाई और पैकेजिंग जैसे सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिला है। टेक्सटाइल में निवेश करने वाली कुछ प्रमुख निवेशकों में कानपुर प्लास्टिपैक द्वारा कानपुर देहात में 400 करोड़ का निवेश किया है। इससे 200 लोगों को रोजगार मिला है।